Title: Regarding misbehaviour with journalists of Nepal during a meeting in New Delhi.

श्री रामजी लाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, पत्रकारों पर हमले की घटनाओं में निरंतर वृद्धि हो रही है। अभी 11 जुलाई को भारत-नेपाल एकता मंच की बैठक मंडी हाउस के त्रिवेणी कला संगम में हो रही थी। उसमें भारत के नौ और नेपाल के चार पत्रकार भी थे। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच के लोग वहां गए और उन पत्रकारों के साथ बिना बताए तथा बिना पूछे दुर्व्यवहार किया। इसके बाद वे उनको लोधी रोड थाने में ले गए और वहां उन पत्रकारों को रखा गया।

उच्चतम न्यायालय द्वारा जो तय मापदंड हैं, जो तय दिशा-निर्देश हैं, उनका भी उल्लंघन हुआ, मानवाधिकारों का भी उल्लंघन हुआ। इसके अलावा नेपाल के पत्रकारों को जबरिया देश छोड़ने को कहा गया। यह बहुत गम्भीर मामला है। कल जंतर मंतर पर जन हस्तक्षेप और पी.यू.सी.एल. की ओर से पत्रकारों का प्रदर्शन भी इस बात को लेकर हुआ। लगता है यह सरकार चाहती है कि अखबार वही लिखें जो सरकार चाहती है।

आप जानते हैं गुजरात के दंगों के दौरान भी जब साबरमती आश्रम में स्वैच्छिक संगठनों की बैठक हो रही थी, तो वहां भी पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार किया गया था। टाइम पत्रिका ने जब प्रधान मंत्री के खिलाफ कुछ लिखा, तो उसके संवाददाता पैरी को हतोस्ताहित किया गया। यह सरकार अपनी मनमर्जी के मुताबिक अखबार वालों से काम लेना चाहती है। दूसरे देशों के पत्रकार जब भारत आते हैं तो उनको अपमानित किया जाता है। मेरी सरकार से मांग है कि जिन पुलिसकर्मियों ने उन पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार किया, उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई हो, जिससे दोबारा कोई ऐसी हिम्मत न कर सके। इस सम्बन्ध में सदन में चर्चा होनी चाहिए। श्री रवि प्रकाश वर्मा भी मेरे साथ एसोसिएट करना चाहते हैं।

MR. SPEAKER: He is associating with you as far as this subject is concerned. आपने नोटिस दिया है इसलिए मैं आपको एसोसिएट करने की इजाजत दे रहा हूं।

श्री रवि प्रकाश वर्मा (खीरी) : महोदय, मैं इसमें एक बात और जोड़ना चाहता हूं। यह मामला जितना संवेदनशील है, उतना ही महत्वपूर्ण है। भारत और नेपाल के संबंध एक महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहे हैं। भारत और नेपाल एकता मंच के साथ जो पत्रकार नेपाल से आए हुए हैं, उनके साथ दुर्व्यवहार हुआ है। इससे लगता है कि नेपाल में हिन्दुस्तान के खिलाफ एक मूवमेंट चलाने का प्रयास किया जा रहा है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि सरकार इस विाय में कॉगनिजैंस ले और दोाी कर्मचारियों व सिपाहियों को दंडित करे और एक माहौल बनाने का प्रयास करे, ताकि नेपाल में हिन्दुस्तान के प्रति सदाशयता बनी रहे ।